पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित:16.02.2021 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली—110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9971467978 पर Paytm कर दें। — अनिल आर्य

वर्ष-37 अंक-18 फाल्गुन-2076 दयानन्दाब्द 197 16 फरवरी से 28 फरवरी 2021 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.02.2021, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 175वां वेबनार सम्पन्न

197 वें महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव पर कृतज्ञ राष्ट्र की श्रद्धांजलि

जातपात दलगत हित से ऊपर राष्ट्र हित सोचे —डॉ वागीश आचार्य (गुरुकुल एटा)
महर्षि दयानंद ने वैचारिक क्रांति का शंखनाद किया —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शुक्रवार 12 फरवरी 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में युग प्रवर्तक, आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती का 197 वां जन्मोत्सव ऑनलाइन जूम पर आयोजित किया गया। उल्लेखनीय हैं कि महर्षि दयान्द का जन्म 12 फरवरी 1824 को गुजरात के टंकारा ग्राम में हुआ था और बचपन का नाम मूलशंकर था।यह कोरोना काल में परिषद का 173 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान डॉ वागीश आचार्य ने कहा कि आज जातपात, प्रांतवाद से ऊपर उठकर राष्ट्र हित के बारे मे सोचने की आवश्यकता है।महर्षि दयान्द के आदर्श सार्वभौमिक है और रहेंगे, आवश्यकता उन पर चलने की है, उन्हें जीवन में आत्मसात करने की है।उन्होंने कहा कि आर्य समाज को आज चिंतन करना होगा व समाज को नया राजनीति दृष्टिकोण भी देना होगा कि सही क्या और गलत क्या है।आर्य समाज की आज पहले से कहीं अधिक आवश्यकता है पाखंड अंधविश्वास,भृष्टाचार बढ़ रहे है आर्य जनो को मिलकर इनका निदान करना है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयान्द ने एक वैचारिक क्रांति का शंखनाद किया और लोगो की सोचने की दिशा ही बदल डाली उन्होंने तर्क की कसौटी पर सत्य को परखा व फिर जनमानस को परोसा। उनका लिखा ष्सत्यार्थ प्रकाशष सत्य असत्य के निर्णय करने का अदभुत ग्रन्थ है।महर्षि दयान्द ने गुजराती होते हुए भी हिंदी भाषा पर जोर दिया कि हिंदी में ही राष्ट्रीय एकता को जोड़ने की शक्ति है।वह सही मायनों में समग्र क्रांति के अग्रदूत थे।उन्होंने ही घोषणा की थी कि कोई कितना ही करे पर स्वदेशी राज्य सर्वोत्तम है। समारोह अध्यक्ष सत्यानंद आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद के आदर्शों पर चलने की आवश्यकता है वह विश्व के नेता थे उन्हें किसी सीमा में नहीं बांधा जा सकता। (शेष पृष्ठ 2 पर)

कोरोना वैक्सीन पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

कोरोना वैक्सीन सुरक्षित अवश्य लगवाये —डॉ सुनील रहेजा(एम एस,पंत अस्पताल,दिल्ली)
भारतीय वैज्ञानिकों व डॉक्टरों पर गर्व है—लायन आर के चिलाना

बुधवार,10 फरवरी 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में कोरोना वैक्सीन विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन जूम पर किया गया। यह परिषद का कोरोना काल में 172 वां वेबिनार था। जी बी पंत अस्पताल के एम एस डॉ सुनील रहेजा ने कहा की भारतीय वैक्सीन पूर्णतया सुरक्षित है इसे सभी को लगवाना चाहिए तभी हम कोरोना को मात दे पायेंगे।उन्होंने बताया कि निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार सबसे पहले कोविड 19 वैक्सीन हेल्थकेयर कर्मियों यानी डॉक्टर, नर्स,पैरामेडिक्स और स्वास्थ्य से जुड़े लोगो को दी जाएगी।इनके बाद करीब दो करोड़ फ्रंटलाइन वर्कर्स यानी राज्य पुलिसकर्मियों, पैरामिलिटरी फोर्सेस,फौज, सैनिटाइजेशन वर्कर्स को वैक्सीन दी जाएगी।इसके बाद 50 से ऊपर आयु वालों और 50 से कम उम्र वाले उन लोगों को जो किसी न किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं,उन्हें वैक्सीन लगाई जाएगी। 50 साल से कम उम्र के वो लोग भी टीकाकरण अभियान में शामिल होंगे जिनमें कोरोना के सिमटम्स हों।उन्होंने कहा कि भारतीय वैक्सीन पूर्णरूप से सुरक्षित है भ्रांतियों पर ध्यान नहीं देना चाहिए साथ ही मास्क का प्रयोग,बार बार हाथ धोना व सामाजिक दूरी का पालन करते रहना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि हो सकता है वैक्सिनेशन के चलते मामूली बुखार आ जाए या फिर सिरदर्द या इंजेक्शन लगाने वाली जगह पर दर्द होने लगे ये सामान्य है डरने की बिल्कुल भी आवश्यकता नही है देश के वैज्ञानिकों व डॉक्टरों पर विश्वास करना चाहिए। कार्यक्रम अध्यक्ष लायन आर के चिलाना(पूर्व उपप्रधान,एस्कॉर्ट्स ग्रुप) ने कहा कि लोगों में वैक्सीन के प्रति जागरूकता पैदा करने का प्रयास सराहनीय हैं और इस प्रकार के अभियान चलाए रखना चाहिए जिससे लोगों में फैली भ्रांतियों का निदान हो सके। उन्होंने कहा कि हमें अपने वैज्ञानिकों व चिकित्सकों पर गर्व करना चाहिए। आचार्य महेन्द्र भाई,प्रवीन आर्य, सौरभ गुप्ता, देवेन्द्र भगत,देवेन्द्र गुप्ता,डॉ रचना चावला,डॉ अनुराधा आनंद,विजय हंस,ललित बजाज,सुनीता बुग्गा, वीना वोहरा,अरुण आर्य आदि उपस्थित थे।

द्वितीय बरसी पर पुलवामा के शहीदों को आर्य समाज ने दी श्रद्धांजलि

भारतीय सेना पर प्रश्नचिन्ह उठाना गम्भीर अपराध है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार,14 फरवरी 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में पुलवामा आंतकवादी हमले की द्वितीय बरसी पर शहीदों को याद करते हुए शहीदों को नमन कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन जूम पर करके शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि दो वर्ष पूर्व कश्मीर के पुलवामा में आत्मघाती हमले में शहीद 40 सीआरपीएफ के जवानों ने देश के लिए सर्वोच बलिदान दिया था।आज पूरा विश्व आंतकवाद से पीड़ित हैं और आंतकवाद समूची मानवता के लिए खतरा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश ने बदला भी लिया और आज धारा 370 हटने के बाद कश्मीर शांति की ओर आगे बढ़ रहा है।सीमा विवाद पर भी भारत ने चीन को मुँह तोड़ जवाब दिया है भारतीय सेना विश्व की सर्वश्रेष्ठ सेना है हमें अपनी सेना पर गर्व है बस राजनीतिक निर्णय में स्पष्टता होनी चाहिये।साथ ही उन्होंने सरकार से आतंकवाद व उनके संरक्षकों को सख्ती से कुचलने की मांग की।उन्होंने कहा कि कुछ दिग्भ्रमित लोग भारतीय सेना पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करते है वह क्षमा योग्य नहीं है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के महामंत्री महेन्द्र भाई ने कहा कि हमे आज राष्ट्रीय एकता अखंडता का संकल्प लेना है। हरियाणा राज्य औषधि नियंत्रक नरेन्द्र आहूजा विवेक ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वीर सैनिकों का बलिदान सदैव अमर रहेगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि हमें देश की रक्षा की खातिर अपने जान देने वाले वीर सपूतों के महत्व को समझना चाहिए। योगाचार्य सौरभ गुप्ता ने कहा कि आंतकवाद का सफाया ही वीर सैनिकों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। गायिका सुदेश आर्या,नरेंद्र आर्य सुमन,दीप्ति सपरा,रविन्द्र गुप्ता, किरण सहगल,प्रोमिला जसूजा, कुसुम भण्डारी,संध्या पाण्डेय, विभा शर्मा,वीना वोहरा आदि ने देश भक्ति गीतों से श्रद्धांजलि दी। प्रमुख रूप से आचार्य गवेन्द्र शास्त्री,स्वतंत्र कुकरेजा,ईश कुमार आर्य,देवेन्द्र भगत,देवेन्द्र गुप्ता, यशोवीर आर्य,दुर्गेश आर्य,सुरेश आर्य,धर्म पाल आर्य,अरुण आर्य आदि उपस्थित थे।

उपभोक्ता की चुनौतियाँ व समाधान पर गोष्ठी सम्पन्न

सही माप, गुणवत्ता व शुद्व सामान लेना उपभोक्ता का अधिकार –प्रो.करुणा चांदना

वैदिक धर्म के अदभुत प्रचारक थे प.चमूपति–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार,14 फरवरी 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में उपभोक्ता की चुनौतियाँ व समाधान विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन जूम पर किया गया।साथ ही महर्षि दयानंद के अनन्य भक्त प.चमूपति की 128 वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।यह परिषद का कोरोना काल में 174 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता प्रो.करुणा चांदना ने कहा की सही माप तोल,शुद्ध सामान प्राप्त करना उपभोक्ता का अधिकार है,इसके लिए उपभोक्ता को जागरूक होना पड़ेगा।उपभोक्ताओं के हित में आवश्यक है कि वह उपकरण सही हो जिससे उपभोक्ताओं को वस्तु सही मात्रा में प्राप्त हों जिसके लिए वे भुगतान करते हैं। व्यापार और वाणिज्य में प्रयुक्त बाट तथा माप उपकरणों में किसी प्रकार की अशुद्धता के कारण उपभोक्ता को नुकसान हो सकता है।उन्होंने कहा कि उपभोक्ता के रूप में अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना और समस्या का हल न होने पर शिकायत करना जानना व समझना आवश्यक है जिससे गुणवत्तापूर्ण वस्तु अपने पैसों के बदले ले सके। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद के अनन्य भक्त पं. चमूपति जी की 128 वीं जयंती पर हम नमन करते हैं । उन्होंने आर्य समाज व वैदिक धर्म का उलेखनीय प्रचार किया। आजादी से पूर्व भारत के एक पिछड़े मुस्लिम राज्य बहावलपुर, जो अब पाकिस्तान में है,वहां पं. चमूपति का 15 फरवरी,सन् 1893 को जन्म हुआ था।पं. चमूपति बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। 15 जून सन् 1937 को 44 वर्ष की आयु में पं. चमूपति की मृत्यु हो गयी।वे देशभक्त,वैदिक विद्वान,कवि,लेखक,उपदेशक, प्रचारक,ईश्वर–वेद–दयानन्द–भारत भक्त,आचार्य,तपस्वी और सच्चे ईश्वर उपासक थे।आर्य जगत के महान संन्यासी स्वामी श्रद्धानन्द उन्हें आर्य समाज का दूसरा प. गुरुदत्त विद्यार्थी मानते थे। कार्यक्रम अध्यक्ष केनरा बैंक की फाइनेंसियल लिटरेरी काउंसलर अनिता रेलन ने कहा कि उपभोक्ताओं को सबसे बड़ा अधिकार यह मिला है कि कोई भी व्यक्ति यदि शिकायत करता है तो 21 दिन के भीतर उसकी शिकायत स्वतरू दर्ज हो जायेगी।उपभोक्ता किसी उत्पाद से खुद को किसी भी प्रकार का नुकसान होने या उत्पाद में खराबी निकलने पर निर्माता या विक्रेता के खिलाफ शिकायत दर्ज करा सकता है। गायिका मधु खेड़ा,किरण सहगल, रविन्द्र गुप्ता,संतोष आर्या,संतोष जसूजा,कुसुम भण्डारी,जनक अरोड़ा,डॉ रचना चावला,संध्या पाण्डेय,मृदुला अग्रवाल,ईश्वर देवी आर्या,बिन्दु मदान आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर आचार्य महेन्द्र भाई,प्रवीन आर्य,सौरभ गुप्ता,ईश कुमार आर्य,देवेन्द्र भगत,देवेन्द्र गुप्ता,विजय हंस,ललित बजाज,वीना वोहरा आदि उपस्थित थे।

(पृष्ठ 1 का शेष)

प्रांतीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि महर्षि दयान्द ने वेदों की पुनर्स्थापना की उन्हें वेदों वाला ऋषि कहा जाता है।डॉ सुषमा आर्या,आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने भी श्रद्धासुमन अर्पित करें। प्रमुख रूप से आचार्य महेन्द्र भाई,यशोवीर आर्य,आनन्द प्रकाश आर्य,धर्मपाल आर्य,राजेश मेहंदीरत्ता,अमरनाथ बत्रा,डॉ विपिन खेड़ा,नरेन्द्र कस्तूरिया, प्रगति डाली आदि उपस्थित थे। गायिका सुदेश आर्या,नरेंद्र आर्य सुमन,संगीता आर्या,संध्या पाण्डेय,रविन्द्र गुप्ता,प्रवीना ठक्कर,अंजू आहूजा,जनक अरोड़ा,प्रतिभा सपरा,विमला आहूजा आदि ने भजन प्रस्तुत किये।

योग द्वारा रोग उपचार पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

प्रदूषण व तनाव युक्त जीवन में योग ही है सहारा –एस डी त्यागी

योग को दिनचर्या का अंग बनाये–योगाचार्य मनोज कुमार

सोमवार,8 फरवरी 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ष्योग द्वारा रोग उपचारष विषय पर आर्य गोष्ठी का आयोजन ऑनलाइन जूम पर किया गया। यह परिषद का कोरोना काल में 171 वां वेबिनार था। कार्यक्रम अध्यक्ष हिन्द मजदूर सभा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष एस डी त्यागी ने कहा कि आज की प्रदूषण युक्त व तनाव पूर्ण जीवन शैली में योग ही एक सहारा है।योग से सुगम व स्वस्थ जीवन जीने में सहायता मिलती है। योग प्रत्येक आयु वर्ग के लिए लाभदायक है।हमें योग को अपनाना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय योग गुरु मनोज कुमार ने कहा की योग जीवन का आधार है,आज इस संकट भरे समय में सभी को प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट योग अवश्य करना चाहिए।योगाचार्य ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा युवाओं को ष्योगष को अपने जीवन का अंग बना लेना आज के समय की मांग हैष।उन्होंने वेबिनार के माध्यम से अनेकों रोगों के उपचार भी बताए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि योग भारतीय कला का एक रूप है,जो मात्र एक कला से कहीं ज्यादा महत्व रखती है।योग हमारी जिंदगी में कई मायनों में अपना एक अलग ही स्थान रखते हैं,चाहे फिर वो रोगों से मुक्त होने के लिए हो या फिर सुगम एवं स्वस्थ्य जिंदगी जीने के लिए और विभिन्न रोगो के पारम्परिक उपचारो के साथ–साथ पूरक चिकित्सा के रूप में भी इसका उपयोग किया जाता रहा है। मुख्य अतिथि के रूप में एस्कोर्ट्स लिमिटेड के पूर्व डी जी एम डी के यादव ने कहा कि हमें योग के साथ–साथ आयुर्वेद व प्राचीन विधाओं को भी साथ में प्रयोग करने से अधिक लाभ होगा। उन्होंने कहा कि योग अपनाकर हम निःशुल्क स्वस्थ रहने का बीमा कर सकते हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि यदि दवाइयां आपकी बीमारियां दूर करने में सफल नहीं हो पाती हैं,तो रोग अनुसार योग करने से आपकी समस्या हल हो सकती है। योगाचार्य सौरभ गुप्ता ने कहा कि आज की इस भागदौड़ –प्रदूषित व तनाव युक्त जीवन शैली में रोग मुक्त जीवन जीने के लिए हमें दैनिक जीवन में योग को अपनाना होगा। गायिका सुदेश आर्या,प्रवीना ठक्कर,डॉ कल्पना रस्तोगी,सुषमा बजाज,कीर्ति खुराना,कुसुम भण्डारी,नरेन्द्र आर्य सुमन,रविन्द्र गुप्ता,मृदुला अग्रवाल,सुलोचना देवी,जनक अरोड़ा,संध्या पाण्डेय, विभा शर्मा,वीना वोहरा,सुषमा बजाज ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आचार्य महेन्द्र भाई,ईश कुमार आर्य,देवेन्द्र भगत,देवेन्द्र गुप्ता,डॉ रचना चावला,अरुण आर्य,मकेन्द्र कुमार,आनन्द प्रकाश आर्य आदि उपस्थित थे।

कब्ज व बवासीर से मुक्ति पर गोष्ठी सम्पन्न

समय पर भोजन व तले से परहेज आवश्यक–डॉ सुषमा आर्या (आयुर्वेदाचार्य)

स्वामी सत्यपति जी का जीवन वेदों को समर्पित रहा–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

वीरवार 4 फरवरी 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ष्कब्ज व बवासीर से मुक्ति विषय पर ऑनलाइन जूम पर गोष्टी आयोजित की गई।साथ ही मूर्धन्य वैदिक विद्वान स्वामी सत्यपति जी के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।यह परिषद का कोरोना काल में 170 वां वेबिनार था। आयुर्वेदाचार्य डॉ सुषमा आर्या ने कहा कि अनियमित खान पान, समय पर भोजन न करना, अत्यधिक तनाव,तला भुना भोजन व अनिद्रा कब्ज के कारण यह रोग बनते है,बाद में यही आंतो में सूजन से बवासीर बनती है।बवासीर भी दो तरह का होता है मस्से बाहर आना व खूनी बवासीर।इनका सरलता से उपचार किया जा सकता है अलसी की दो बूंद तेल दही में खाने से,चावल की माड़ में नींबू डाल कर पीने से,गाजर चुकन्दर का रस पीने से,पता गोभी का जूस पीने से,एपल का सिरका पीने से बवासीर व कब्ज का घरेलू उपचार किया जा सकता है। साथ ही पानी का भी अधिक मात्रा में सेवन लाभदायक है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने वैदिक विद्वान स्वामी सत्यपति जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए आर्य जगत की अपूर्णीय क्षति बताया,उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने लगभग 50 वैदिक विद्वान तैयार करके गए हैं जो वेद प्रचार का कार्य जारी रखेंगे।उन्होंने कहा कि 1970 में दयानंद मठ रोहतक में पांच लोगों ने संन्यास की दीक्षा ली थी स्वामी इंद्रवेश,स्वामी अग्निवेश,स्वामी शक्तिवेश,स्वामी आदित्य वेश व स्वामी सत्यपति जी इस श्रंखला का आखिरी पुष्प भी आज गिर गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के प्रांतीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि योग अपनाओ स्वस्थ रहो।कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य नेत्री अनिता कुमार ने की व जीवन लाल आर्य मुख्य अतिथि रहे। गायिका बिंदु मदान,दीप्ति सपरा, रविन्द्र गुप्ता,कुसुम आर्य, संगीता आर्या गीत,डॉ रचना चावला, जनक अरोड़ा,कुसुम भंडारी, वीना वोहरा आदि ने गीत प्रस्तुत किये। प्रमुख रूप से आचार्य महेंद्र भाई, धर्मपाल आर्य, देवेन्द्र भगत,सौरभ गुप्ता,आनन्द प्रकाश आर्य,आशा आर्य,उर्मिला आर्य,प्रेम सचदेवा आदि उपस्थित थे ।

सुप्रसिद्ध गायक प्रदीप की 106 वी जयंती पर गीत माला सम्पन्न

तनाव के दौर में संगीत कारगर ओषधि–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शुक्रवार 5 फरवरी 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में सुप्रसिद्ध गीत ष्ए मेरे वतन के लोगोष दूर हटो ए। दुनिया वालो, साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल आदि गीतों के रचयिता प्रदीप कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ष्गीत मालाष का आयोजन ऑनलाइन जूम पर किया गया । यह कॅरोना काल में 170 वा वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज हर कोई परिवार में, कार्यालय में, दुकान में तनाव में जी रहा है, ऐसे समय में संगीत एक औषधि है जो राहत देने व आनंद देने का कार्य करता है गीतकार प्रदीप के गीत एक नई ऊर्जा पैदा करते है। गीतकार नरेंद्र आर्य सुमन ने लता मंगेशकर के गीत गाये, संगीता आर्या गीत व निताशा कुमार ने आशा भोंसले के गीत गाये व दीप्ति सपरा, नरेश खन्ना ने उषा मंगेशकर के गीत गाकर समय बांध दिया । राजकुमार भंडारी व किरण सहगल ने रफी के नगमे सुनाकर रंगत भर दी। प्रमुख रूप से प्रवीण आर्य,वीना वोहरा,शुरूति वीर,सुदेशवीर,यशोवीर आर्य,सुदेश आर्या,मर्दुल अग्रवाल, माया आर्या,सुरेश हसीजा, उर्मिला आर्या,प्रतिभा कटारिया, जनक अरोड़ा, आशा आर्या आदि ने गीतों से सरोबार कर दिया । कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी भारत भूषण धूपड़ ने की व पत्रकार सुषमा शर्मा, शिक्षा विद प्रवीन भाटिया ने शुभकामनाएं प्रदान की ।

देशभक्ति गीतमाला हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

युवा पीढ़ी को देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत करने की आवश्यकता–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मंगलवार, 2 फरवरी 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में देशभक्ति गीतमाला का आयोजन जूम पर ऑनलाइन किया गया। यह परिषद का कॅरोना काल में 168 वां वेबिनार था। सरदार सुरेन्द्रसिंह गुलशन (जालंधर) ने देश भक्ति के गीतों द्वारा सभी को भावविभोर कर दिया। उन्होंने गीतों के माध्यम से वर्तमान परिस्थितियों में राष्ट्रभक्ति की आवश्यकता पर बल दिया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने युवाओं को आह्वान किया कि भारतीय शिक्षा भारतीय संस्कृति का समावेश युवाओं के जीवन का हिस्सा बने, मूल्य आधारित शिक्षा युवाओं के व्यवहार में कैसे आ सकती है, इस दिशा में सभी स्तर पर प्रयास होने चाहिए।उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में युवा पीढ़ी को देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत करने की आवश्यकता बताई, उन्होंने कहा कि युवाओं में देशभक्ति का जोश बाल्यकाल से ही दिया जाना चाहिए जो संस्कार, विचार नीव बन जाते हैं उसी पर इमारत खड़ी होती है । देश भक्ति के गीत रोमांस व उत्साह पैदा करते हैं । मुख्य अतिथि आर्य समाज दाल बाजार लुधियाना के प्रधान संतकुमार आर्य ने युवाओं को त्याग, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। कार्यक्रम अध्यक्ष मधु महाजन (प्रधान, आर्य समाज लारेंस रोड अमृतसर) ने कहा कि पंजाब वीरो की भूमि है सेना में भी महत्वपूर्ण भूमिका पंजाब की रहती है और महर्षि दयानंद जी ने भी सबसे अधिक प्रचार कार्य पंजाब में ही किया । केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि युवाओं को बलिदानियों की जीवनगाथा से प्रेरणा लेनी चाहिए। गायिका आशा आर्या,नरेन्द्र आर्य सुमन,नरेश खन्ना,दीप्ति सपरा,रविन्द्र गुप्ता,ईश्वर देवी आर्या(अलवर),जनक अरोड़ा,कुसुम भंडारी,वंदना जावा,मधु खेड़ा आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर आचार्य महेन्द्र भाई, ईश कुमार आर्य,सौरभ गुप्ता, देवेन्द्र भगत,मृदुला अग्रवाल, कमलेश हसीजा,डॉ सुषमा आर्य,डॉ रचना चावला,संगीता आर्या,पुष्पा चुघ, दुर्गेश आर्य,धर्मपाल आर्य,शुरूति आर्या आदि उपस्थित थे।

बसंत पंचमी पर वीर हकीकत के बलिदान को किया नमन

बसंत पंचमी विद्या,ज्ञान व उपासना के शुभारंभ का दिन है –डॉ रामचंद्र(कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय)

वीर हकीकत ने धर्म के लिए बलिदान देना सिखाया –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मंगलवार 16 फरवरी 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में बसन्त पंचमी उत्सव व वीर हकीकत राय के बलिदान दिवस पर गोष्ठी का आयोजन ऑनलाइन जूम पर कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई । यह परिषद का 175 वा वेबिनार था। वैदिक विद्वान डॉ रामचंद्र (विभागाध्यक्ष,संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय) ने कहा कि वसंत पंचमी सारस्वत पूजा एवं राष्ट्र आराधना का दिन है । उन्होंने कहा कि वसंत पंचमी का दिन भारत वर्ष के इतिहास में विद्या, ज्ञान एवं उपासना की श्रेष्ठ संकल्पना का दिन है। आज के दिन से गुरुकुल में शिक्षण का प्रारंभ होता है और जीवन को संकल्प बद्ध करने का संकल्प लिया जाता है। कुछ ही समय के पश्चात ऋतुराज बसंत का शुभारंभ होना होता है परंतु उसका स्वागत मंगल आज से प्रारंभ हो जाता है। पीला रंग जीवन में उत्साह का प्रतीक है, इसलिए आज के दिन पीले वस्त्र पहनने की परंपरा है। उन्होंने कहा की बसंत पंचमी का इतिहास वीर हुतात्मा हकीकत राय के साथ जुड़ा भी हुआ है। आज ही के दिन 1734 में 14 वर्ष के वीर बालक हकीकत राय ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। तत्कालीन क्रूर मुस्लिम शासकों ने लाहौर में मुसलमान हो जाने या फिर प्राण दान देने के दो विकल्प हकीकत राय के सामने रखे थे। उस समय में उस महान हुतात्मा हकीकत राय ने बसंत पंचमी के दिन प्राण दे दिए परंतु अपना धर्म नहीं छोड़ा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि हिन्दू धर्म के महान पुरोधा वीर हकीकत राय धर्म के लिए बलिदान हो गए पर हिन्दू धर्म नहीं छोड़ा । यह मात्र 14 वर्ष के बालक के बलिदान का विश्व मे अनुपम उदाहरण है, उनका यह बलिदान नई युवा पीढ़ी के लिए आज भी प्रांसगिक है और सदियों तक सदैव प्रेरणा देने वाला बना रहेगा । उनका उदघोष काट सकते हो तो बाहर का हकीकत काटो, काट सकती असल हकीकत को यह तलवार नहींष आत्मा के अजर,अमर,अभय होने का संदेश देता है। कार्यक्रम अध्यक्ष वैदिक विदुषी दर्शनाचार्या विमलेश बंसल आर्या ने कहा कि आज आवश्यकता है वसंत ऋतु जैसे पर्व उत्सव को नवीन यज्ञोपवीत पहन, सामूहिक वेद मंत्रों द्वारा वृहद यज्ञ कर के मनाना। यह दिवस वीरों की भी स्मृति दिलाने का दिवस है इसलिये बलिदानी बालक वीर हकीकत राय को हम सब आज के दिन याद करते है दुर्भाग्य से उन इस्लामिक जिहादियों की बर्बरता आज भी कम नहीं है मात्र पांच दिन पहले रिंकू शर्मा भी इन्हीं जिहादियों का शिकार हो गया क्योंकि वह भी धर्म के प्रति निष्ठा के साथ श्री राम काज में संलग्न था। हम वीर हकीकत के बलिदान को नमन करते हैं। विशिष्ट अतिथि आर्य नेत्री उर्मिला आर्या ने कहा कि बसंत ऋतु ऋतुओं की राजा है इसका स्वागत बसंत उत्सव के रूप में करते हैं, साथ ही वीर हकीकत की शहादत को याद करते हैं । परिषद के राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने उनके बलिदान से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। गायिका संगीता आर्या गीत,वीरेन्द्र आहूजा, डॉ रचना चावला,प्रगति आर्या,संध्या पांडेय,संतोष आर्य,रवीन्द्र गुप्ता, आचार्य महेंद्र भाई,यज्ञवीर चौहान आदि ने भी गीतों के द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मा. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970